हिन्दी मिलाप डेली (Hindi Milap Daily)

दिनांक (Date) 13-03-2023 पृष्ठ संख्या (Page No.) 1+6+5 क्र. संख्या (Srl No.) 7

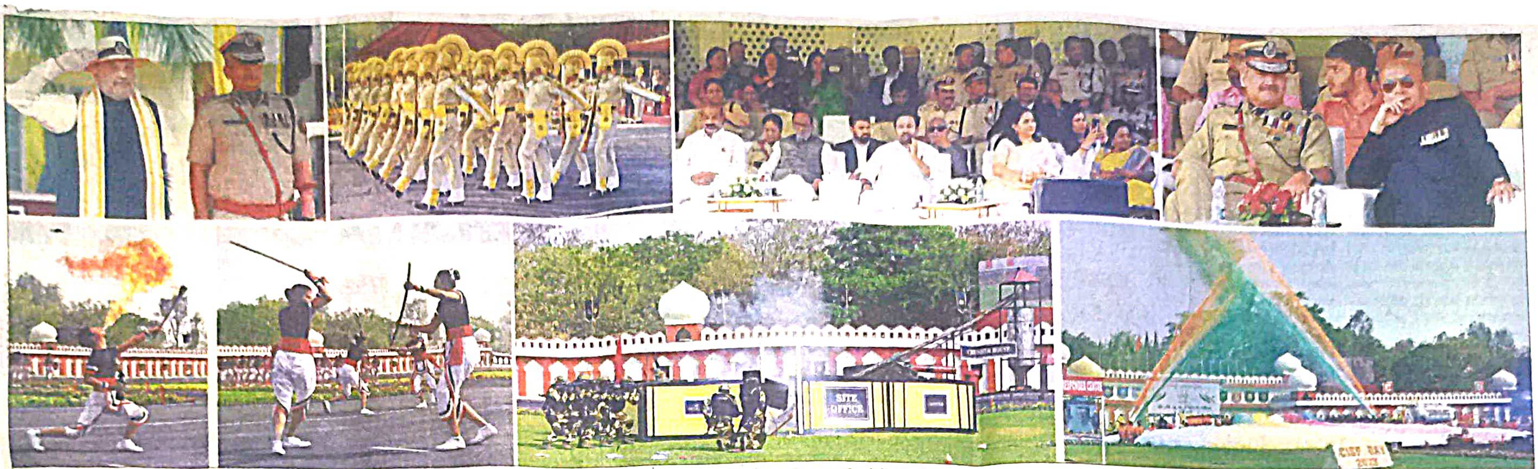

हकीमपेट स्थित नीसा अकादमी में भव्य रूप से आयोजित सीआईएसएफ के स्थापना दिवस समारोह में परेड की सलामी लेते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह। अवसर पर राज्यपाल डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, सांसद बंडी संजय कुमार, पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार व अन्य उपस्थित थे। समारोह में सीआईएसएफ कर्मियों द्वारा प्रस्तुति दी गई। (फोटो : एम.ए. मुजीब)

सुरक्षा अभेद्य

शाह ने सीआईएसएफ को बताया सजग प्रहरी

हैदराबाद में मनाया गया 54वाँ स्थापना दिवस

हैदराबाद,12 मार्च-(एफ. एम सलीम) केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि देश तेज़ी से आर्थिक विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। इस प्रगति को जारी रखने के लिए उद्योग क्षेत्र में सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल जरूरी है। इसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल(सीआईपीएफ) निभा रहा है। सीआईएसएफ को कृत्रिम बुद्धिमत्ता एव रोबोटिक प्रौद्योगिकी जैसी सुविधाओं से लैस करने की योजना केंद्रीय गृह विभाग ने बनायी है। गृहमंत्री ने सीआईएसएफ द्वारा निजी सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण देने के लिए हाईब्रिड मॉडल बनाए जाने की वकालत की।

अमित शाह ने राष्ट्रीय औद्योगिक सुरक्षा अकादमी(नीसा) में सीआईएसएफ के 54वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीआईएसएफ को देश की आंतरिक सुरक्षा का सजग प्रहरी बताया और देश की संपत्ति की सुरक्षा में उसके योगदान और बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से बाहर पहली बार भारत के गौरवमयी शहर हैदराबाद में सीआईएसएफ अपना स्थापना दिवस मना रहा है। देश की आर्थिक प्रगति में सीआईएसएफ का महत्त्वपूर्ण योगदान है। कोई भी देश आर्थिक क्षेत्र में तभी तेज़ी से प्रगति कर सकता है, जब इसके उद्योगों, बंदरगाहों एवं हवाईअड्डों की सुरक्षा सुनिश्चित हो तथा वहाँ शांति और सुरक्षा का माहौल बने।

सीआईएसएफ के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह। साथ में महानिदेशक शीलवर्धन सिंह।

सीआईएसएफ के सिपाही से लेकर डीजीपी तक सभी कर्मियों ने जी-जान लगाकर सुरक्षा के क्षेत्र में देश की अमूल्य सेवा की है।

शाह ने कहा कि भविष्य में सीआईएसएफ की भूमिका और चुनौतीपूर्ण होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है, उसके लिए देश के हवाई अड्डे, बंदरगाहें, रेललाइनें तथा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान और औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वास जताया कि सीआईएसएफ भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने को सभी आवश्यकताओं से सुसज्जित करेगी। नीसा को 2021 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि बीते 53 साल में सीआईएसएफ कर्मियों की संख्या 1.70 लाख तक पहुँची है। आने वाले दस सालों में विकास के कई मौके उपलब्ध होंगे तथा सीआईएसएफ में कर्मियों की संख्या और बढ़ेगी। सीआईएसफ अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सुरक्षा को अभेद बनाने का काम कर रहा है। भविष्य में इसे अत्याधुनिक तकनीकों से सुसज्जित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। गृह मंत्रालय *(शेष पृष्ठ 6 पर)*

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सुरक्षा ...

ने इसके लिए विस्तृत योजना बनायी है। इससे भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सहयोग मिलेगा। सीआईएसएफ 66 हवाईअड्डे, 14 बंदरगाह दिल्ली मेट्रो, परमाणु संस्थान सहित कई औद्योगिक इकाइयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहा है। इसके पास प्रभावी अग्निशमन दल एवं उपकरण मौजूद हैं। अनेक बड़ी सफलताएं इस बल ने प्राप्त की है। हर दिन 50 लाख से अधिक यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहा है। यह राष्ट्र की संपत्ति की सुरक्षा के लिए सदैव कटिबद्ध रहता है।

गृहमंत्री अमित शाह ने सीआईएसएफ द्वारा निजी सुरक्षा एजेक्सियों को प्रशिक्षित करने के लिए हाइब्रिड मॉडल की वकालत की और इसके लाभ के प्रति व्यक्त की जा रही शंकाओं को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ निजी उद्योग में सलाहकार एवं परामर्शदाता का काम कर सकता है। ड्रोन जैसी तकनीकों से सुरक्षा का जो खतरा उत्पन्न हुआ है, उसका सामना भी इस पहल से किया जा सकता है। सीआईएसएफ की सेवा के कारण देश का अर्थतंत्र सुरक्षित और मजबूत हुआ है। कोरोना के दौरान भी इस संस्था ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया और इसके लिए बलिदान भी दिया। राष्ट्र उनके योगदान के चलते बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। स्वच्छता और पौधारोपण अभियान में भी बल ने अहम भूमिका निभाई है।

शाह ने कहा कि आतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार ने राज्यों की पुलिस के समन्वय से कई चुनौतियों और समस्याओं का सफलतापूर्वक सामना किया है। कश्मीर, उत्तर पूर्व और माओवादी अतिवाद तीनों क्षेत्र में हिंसा कम हुई है और लोगों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। आतंकवाद एवं अलगाववाद फैलाने वालों की संख्या भी कम हो रही है। वे मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलगाववाद और आतंकी हिंसा पर देश में शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से कठोरता के साथ निपटा जाएगा। इसमें केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

विभिन्न अर्धसैनिक बलों को दी जा रही सुविधाओं का उल्लेख करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 35 लाख से अधिक आयुष्मान सीआईपीएफ कार्ड वितरित किये गये हैं। 24 हज़ार अस्पतालों में सेवा सुविधा उपलब्ध है और आवास योजना में भी उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। 2026 तक लगभग 40 हज़ार आवास बनाकर जवानों को आवास आवंटित किया जाएगा। आवास संतुष्टि का अनुपात 73 प्रतिशत हो जाएगा। इसके लिए 2.17 कार्मिकों का पंजीकरण हो चुका है।

सीआईएसएफ के महानिदेशक शीलवर्धन सिंह ने कहा कि देश में सरकारी, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के महत्वपूर्ण उद्योगों, हवाईअड्डों एवं बंदरगाहों के साथ-साथ दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा का काम सीआईएसएफ संभाल रहा है। देश में औद्योगिक क्षेत्र में सुरक्षा के प्रति विश्वास सुनिश्चित करने में बल पूरी तरह सक्षम है। आत्याधुनिक तकनीक से लैस होने के कारण इसके कार्य क्षेत्र में भी विस्तार हो रहा है। समारोह में अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में परेड का आयोजन कर गृहमंत्री को सलामी दी गयी। सीआरपीएफ कर्मियों ने विभिन्न प्रकार के हैरतअंगेज करतब दिखाए। उनके शक्ति तथा दक्षता के प्रदर्शन पर खूब तालियाँ बजीं। अवसर पर राज्यपाल डॉ. तमिलिसै सौंदरराजन, केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण, करीमनगर सांसद व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय के अलावा बड़ी संख्या में देश भर से आए सीआरपीएफ कर्मी सपरिवार उपस्थित थे।